वार्षिक रिपोर्ट

2020-21

चाईल्ड कन्सर्न, पटना

103, शीला कम्प्लेक्स, न्यू बहादुरपुर, बाजार समिति रोड, राजेन्द्र नगर, पटना-800016 **Ph. 0612-2674966**

E-mail: childconcernindia@gmail.com, website: childconcernindia.org

ANNUAL REPORT

2020-21

CHILD CONCERN , PATNA

Child Concern, 103, Sheela Complex, New Bahadurpur, Bazar Samiti Road, Rajendra Nagar, Patna-800016 (Bihar)

Ph. 0612-2674966, E-mail: childconcernindia@gmail.com, website: childconcernindia.org

ANNAUAL REPORT 2020-21

चाइल्ड कंसर्न की स्थापना अगस्त के रूप में हुई थी। (एनजीओ) सरकारी संगठन-में एक गैर 1996 चाइल्ड कंसर्न का प्राथमिक उद्देश्य"आर्थिक पुनर्वास दृष्टिकोण और उन्नत प्रौद्योगिकियों के माध्यम से ऑटिज़्म, सेरेब्रल पाल्सी, बौद्धिक अक्षमताओं और बहु दिव्यांग बच्चों को सशक्त बनाना है। दिव्यांगजनों को विशेष शिक्षा, प्रशिक्षण, व्यावसायिक प्रशिक्षण, स्पीच थेरेपी, फिजियोथेरेपी, ऑकुपेशनल थेरेपी, विहैवियर मोडीफिकेशन के साथ ही उन्हें स्वावलंबी बनाने उनमें सेल्फ एडवोकेसी को भी सक्षम बनाता है। चाईल्ड कन्सर्न बिहार के शहरी और दूरदराज के क्षेत्रों में दिव्यांगजनो के बारे में फैली भ्रांतियों को दूर करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी चलाता है। आज संस्थान द्वारा आधुनिक उपकरण एवं नवनीत तकनीकों एवं विशेषज्ञों से युक्त दिव्यांगजनों को सभी प्रकार की सेवायें मुहैया करायी जा रही है । चाईल्ड कन्सर्न की बिहार के सभी 38 जिलों में बौद्धिक दिव्यांग, ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी एवं बहु दिव्यांगजनों के लिए कार्यरत हैं। चाईल्ड कन्सर्न अभी तक 15000 से अधिक बौद्धिक दिव्यांग, ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी एवं बहु दिव्यांगजनों लाभ पहुंचा चुकी है

''**चाईल्ड कन्सर्न**'' (बाल-विकास, मानसिक स्वास्थ्य, शोध एवं दिव्यांग पुनर्वास संस्थान) राँची में मुख्यतः छः विभाग हैं जिसमें मनोचिकित्सा विभाग, मेडिकल सायंस विभाग, व्यावसायिक प्रशिक्षण, सूचना एवं प्रलेखन, एवं प्रशासन विभाग के अतिरिक्त विशेष शिक्षा केन्द्र तथा परिवार कुटीर है ।

लाभार्थियों की संख्या :

दिव्यांगता	2020-21
बौद्धिक दिवयांग (ID/MR)	24
ऑटिज्म (Autism)	20
सेरेब्रल पाल्सी (C.P.)	13
बहुदिव्यांग (M.D.)	20

चाईल्ड कन्सर्न द्वारा प्रदान की जानेवाली सेवाएँ :-

1- मनोवैज्ञानिक परीक्षण सेवा
2. **स्पीच थेरैपी सेवा**
3. **श्रवण जाँच सेवा**
4- व्यवहार संशोधन सेवा
5. **विशेष शिक्षा सेवा**

CHILD CONCERN Patna

6. फिजियोथेरैपी सेवा
7. ऑक्युपेशनल थेरेपी
8. स्पीच थेरेपी
9- यर्ली इन्टरभेंशन सेवा (प्रारंभिक हस्तक्षेप सेवा)
10- भोकेशनल ट्रेनिंग
11- पुनर्वास
12- मार्गदर्शन और परामर्श सेवा
13- शिक्षण सहायता सेवा
14- खेल प्रशिक्षण सेवा

ANNAUAL REPORT 2019-20

पटना 02 अप्रैल, 2020

विश्व ऑटिज्म जनजागरूकता दिवस पर ऑनलाईन जगरूकता कार्यक्रम

पटना 1 अप्रैल 2020।चाईल्ड कन्सर्न, समर्पण स्पेशल स्कूल इंडियन स्पोर्ट्स फेडेरेशन ऑफ ऑटिज्म एवं बिहार विकलांग खेल अकादमी के संयुक्त तत्वाधान में विश्व ऑटिज्म जनजागरूकता दिवस 2 अप्रैल 2020 के अवसर पर सोशल मिडिया, इंटरनेट, फेसबुक, ट्वीटर, व्हाट्सअप आदि के माध्यम से ऑटिज्म के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य किया गया यह जानकारी संतोष कुमार सिन्हा, सी.ई.ओ., समर्पण स्पेशल स्कूल ने दिया।

पूरे विश्व में 2 अप्रैल को विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2007 में दो अप्रैल को विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के रूप में घोषित किया गया था। इस दिन ऑटिज्म से ऑटिज्म (स्वालिनता) से ग्रसित बच्चों एवं बड़ों के जीवन में सुधार के कदम उठाए जाते हैं साथ ही सार्थक जीवन बिताने में सहायता दी जाती है। नीला रंग ऑटिज्म का प्रतीक माना गया है। समाजिक न्याय में अधिकारिता मंत्रालय के अनुसार भारत में 110 में से 1 बच्चा ऑटिज्म का शिकार होता है। ऑटिज्म एक छिपी छिपी बॉद्धिक दिव्यांगता है जो बच्चों के प्रारंभ में पता नहीं चलता है लेकिन बच्चा जैसे-जैसे बड़ा होता है उसमें ऑटिज्म के लक्षण सामने आने लगती है। ऑटिज्म को पहचान कर सही समय पर विशेषज्ञों के सलाह द्वारा उसमें सुधार लाया जा सकता है। ऑटिज्म को पहचानने का सही तरीका है जैसे वह खुद में खोया रहता है, एक ही काम को बार-बार दोहराना, सुन कर अनसुना करना, शब्द पहचानने में दिक्कत, डरना, शांत रहना आदि। ऑटिज्म के बच्चों में स्पीच थैरेपी, ऑकुपेशनल थैरेपी, विहैवियर एवं रिलेशनशिप थैरेपी, शैक्षणिक थैरेपी एवं विशेषज्ञों के परामर्श से सुधार लाया जा सकता

है। ऑटिज्म जागरूकता दिवस पर सभी जगह नीला रोशनी जलाकर एवं नीला रंग उपयोग कर ऑटिज्म के प्रति जागरूकता फैलाना चाहिए।

ऑटिज्म से ग्रसित बच्चे अपने-आप में खोये रहते हैं और अकेले रहना पसन्द करते हैं। महिलाओं के अपेक्षा पुरूषों में ऑटिज्म के मामले 5 गुणा अधिक है। इसका न तो सही कारण पता है और न ही दवा पर कुछ थैरैपी से उनको रोजमर्रा के जिंदगी में आनेवाली रूकावट व परेशानी से दूर रखा जा सकता है । ऑटिज्म एक मानसिक विकास संबंधित बीमारी है जिसे पूरी तरह से ठीक नहीं किया जा सकता, लेकिन सही प्रशिक्षण एवं परामर्श से सुधार लाया जा सकता है।

अगर हम लोगों को ऑटिज्म (स्वालिनिता) के प्रति जागरूक करें तो उनमें बहुत हद तक सुधार ला सकते हैं। ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों में सुधार लाने के लिए खेल-खेल में नए शब्दों का प्रयोग करें, बारी-बारी से खेलने का आदत डालें, छोटे-छोटे वाक्यों का प्रयोग करें, बच्चों को शबासी दें उन्हें बोलने के लिए प्रेरित करें, बच्चे को घर के अलावा अन्य लोगों से नि□यमित रूप से मिलने का मौका दें, बच्चे को पार्क में ले जायें, अन्य लोगों से बात करने के लिए बच्चे को प्रेरित करें, बच्चे को तनाव मुक्त रखें, प्रोत्साहन के लिए रंग-बिरंगी, चमकीली तथा ध्यान खिंचने वाली चीजों का इस्तेमाल करें, बच्चे को व्यायाम, दौड़ तथा बाहरी खेलों में लगाएं इन सभी गतिविधियों से ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों में सुधार लाया जा सकता है।

विश्व ऑटिज्म जन-जागरूकता दिवास 2 अप्रैल पर ऑटिज्म के प्रति जनजागरूकता फैलाने हेतु पूरे विश्व में नीला रोशनी एवं नीला रंग के वस्त्र का उपयोग कर ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों एवं उनके अभिभावकों के प्रति समाज के लोगों जागरूक करने के लिए किया जाता है।

दिव्यांगजन के प्रति प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक की भूमिका पर ऑनलाइन सेमिनार (वेबिनार) का आयोजन दिव्यांगजन के सहायता हेतु अन्य देशों के भांति आवश्यक एवं आकस्मिक सेवा को सेवा में लाने की मांग

10 अप्रैल । 2020चाईल्ड कन्सर्न एवं ऑर्थिको पटना के संयुक्त तत्वाधान में ज़ूम एप के माध्यम से आज दिनांक 10 अप्रैल (शुक्रवार) 2020को दोपहर 01 बजे से डॉ० विनाद भांती (ऑर्थिको पटना ,क्षअध्य) क्षता मेंके अध्यवैश्विक महामारी कोरोना वायरस लॉकडाउन में (19-कोविड)दिव्यांगजनों के सुविधा के लिए- प्रोस्थेटिक एण्ड ऑर्थोटिक की भूमिका एवं सहायक उपकरणों को उपयोग करने में आ रही परेशानियों पर ऑनलाईन विडियो कन्फ्रेंस के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन संदीप कुमार के द्वारा किया गया। (गजनदिव्यां ,नरनेशनल ट्रे)

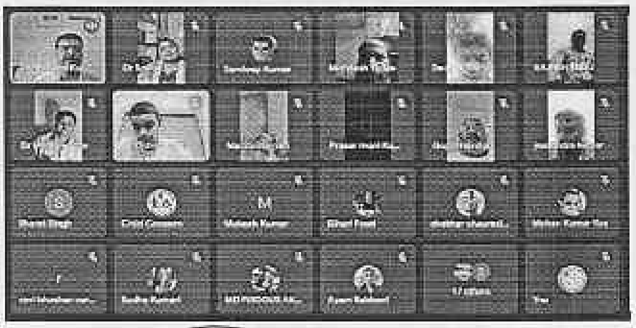

आज के कार्यक्रम का मुख्य अतिथि डॉ॰ शिवाजी कुमार ,राज्य आयुक्त निश:क्तता दि)व्यांगजन (बिहार सरकार पटना द्वारा लॉकडाउन में प्रोस्थेटिक एण्ड ऑर्थोटिक की भूमिका एवं सहायक उपकरणों के उपयोग और समाधान के लिए ऑनलाइन चर्चा की । इस ऑनलाईन सेमिनार में बिहार के (वेबीनार) से अधिक 100 के राज्यों जिलों एवं अन्यविभिन्न प्रोस्थेटिक एण्ड ऑर्थोटिक ,गजनदिव्यां ,प्रोफेशनल , दिकेयर गीवर आ ,अभिभावकगण ,ग खिलाड़ीदिव्यां ने भाग लिया । प्रोस्थेटिक एण्ड ऑर्थोटिक , दिव ,केयर गीवर ,प्रोफेशनलव्यांगजन द्वारा अन्य देशों के भांति बिहार और भारत में आवश्यक एवं आकस्मिक सेवा को सेवा में लाने की मांग की गई।

सभी वशेषज्ञों ने बताया कि अभी लॉकडाउन गजन एवं आम नागरिकों को के समय दिव्यां कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है । आजकल देखने में आ रहा है कि घरमें इन्जुरी का शिकार हो रहे हैं ऐसे प्रोस्थेटिक एण्ड ऑर्थोटिक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। हमारे कई दिव्यांगजन को प्रोस्थेटिक एण्ड ऑर्थोटिक की जरूरत होती हैलेकिन , टल पहुंच नहीं पाते हैं लॉकडाउन के वजह से हॉस्पी ऐसे में ऑनलाइन फोन के द्वारा गाईड कर छोटा-का समाधान बताकर उनके समस्योंछोटा टिप्स शिवाजी कुमार ने बताया कि ॰किया जा रहा है। डॉ ,.ओ.जी.एन ,संस्था ,वैसे प्रोफेशनलकेयर गीवर जो दिव्यांगजन को मदद कर उन्हें पास जारी किया जा रहा है। कोरोना वायरस से बचने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग,सेनेटाइजिंग , बार बार हाथ धोना , आइसोलेशन के बारे में भी चर्चा की गई एवं लोगों को जागरूक किया गया। साथ ही यह भी बताया गया कि सहायक अंग एवं उपकरणों को बारबार -कता है।सेनिटाइज एवं साफ करने की आवश्य

आज के ऑनलाइन सेमिनार में (वेबिनार)) प्रसादराजेन्द्र ॰डॉदिल्ली ,(डॉ॰ (॰कै)सी .एन. ,(लखनउ) सतीशडॉ॰ अजीत वर्मा)पूर्व प्राचार्य , प्रोफेसर ,(पटना .एच.सी.एम.पी ,डॉ॰ वोहरा ॰डॉ , ,(एम्स) संजय वाधवाडॉ॰ विनय कुमार अस्थाना ,(अल्मिको)अजय कुमार रंजन ,बुनियाद केन्द्र) ,(मुजफ्फरपुरश्री प्रकाश सहाय पटना ,अधिवक्ता) ,(हाईकोर्टडॉ॰ अर्जुन शर्मा ,(जीलैण्डन्यू)अनम हैदर ,(ग खिलाड़ीय दिव्यांअंतर्राष्ट्री)कुमार गौरव य राष्ट्री) ,(ग खिलाड़ीदिव्यांविश्वास राज ग य दिव्यांराष्ट्री) ,(खिलाड़ीडॉ॰ शांडिल्या ,अजित कुमार केशरी ॰डॉ , ॰डॉ ,श्री रामजीलाल ,समीका डाल्वी ,प्रतीक ॰डॉ गौरव गुप्ता आदि ने लॉकडाउनसंतोष कुमार सिन्हा , मेंदिव्यांगजन के प्रति प्रोस्थेटिक एण्ड ऑर्थोटिक की भूमिका एवं सहायक उपकरणों के उपयोग के बारे में बताया ।

COVID 19 लॉक डाउन के दौरान स्पेशल ओलंपिक्स एथलीटों के लिए कोच, स्वयं सेवकों, परिवारों और दाताओं की भूमिका

पटना 13 अप्रैल 2020। चाईल्ड कन्सर्न स्पेशल ओलंपिक्स बिहार के तत्वाधान में विशेष खिलाडियों के लिए उनके प्रशिक्षकों , वालंटियर्स, परिवार एवं डोनर्स की कोविड 19 लॉक डाउन के समय अहम् भूमिका पर चर्चा बिहार स्पेशल ओलंपिक्स की ओर से स्पेशल ओलंपिक्स के खिलाडियों के लिए उनके प्रशिक्षकों , वालंटियर्स, परिवार एवं डोनर्स की कोविड 19 लॉक डाउन के समय अहम् भूमिका विषय पर ऑनलाइन वेबिनार चर्चा आज
दिनांक 13 अप्रैल 2020 (मंगलवार) को दोपहर 1 बजे से किया गया। इस वेबीनार में भारत के सभी राज्यों से लगभग 105 से अधिक खेल विशेषग्य, प्रशिक्षक, वालंटियर्स, परिवार, डोनर्स तथा विशेष खिलाडियों ने भी भाग लिया।
जहाँ विशेषज्ञों में डॉ. शिवाजी कुमार, (राज्य आयुक्त दिव्यांगजन, बिहार सरकार,

CHILD CONCERN Patna

पटना), अंतरष्ट्रीय प्रशिक्षक एवं खेल विशेषज्ञ अवतार सिंह, विशेष बच्चों की विशेषज्ञ सुखदीप कौर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। साथ ही साथ विश्वकर्मा शर्मा (विशेष शिक्षक), अनम हैदर (दिव्यांग अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी), कुन्दन कुमार पाण्डेय (दिव्यांग राष्ट्रीय खिलाड़ी), कुमार गौरव, फिरदौस अख्तर, सुब्रानील बनर्जी, शेखर चौरसिया, निर्भय कर्ण, राजेश सिंह, अमन कुमार, बिबेकानन्द मोहन्ती, सुरेश कुमार, सिस्टर प्रसान्ती, सुनिता गुप्ता आदि ने भी लॉकडाउन के समय स्पेशल बच्चों को घर में कैसे इंगेज रखें तथा कोराना वायरस से बचाव के उपाय भी बताये।

विशेषज्ञों ने इस लॉक डाउन की स्थिति में

1. विशेष खिलाडियों को अपने घर पर ही अपने प्रशिक्षकों से व्हाट्सअप्प एवं अन्य माध्यमों से अभ्याश करने की सलाह लेने को कही

2. अभिभावक जितना हो सके उन्हें अन्य कामों में भी संलग्न रखें

3. जैसे पत्थर के टुकडो को किसी एक स्थान से दुसरे स्थान पर फिर तीसरे स्थान तक दौड़ कर या फिर टहल कर एकत्रित करना भी एक स्किल हो सकता है विशेष खिलाडियों को संलग्न रखने के लिए या घर के सिढ़ियों को गिनना, उसपर उतरना चढ़ना भी बच्चों द्वारा करवा सकते हैं।

4. वहीँ खाते वक़्त अगर आप खाने को 10 बार चबाते है तो 30 बार चबाने से खाना भी सेहत के लिए लाभदायी होता है वही विशेष बच्चों का समय भी अच्छे से व्यतीत हो जायेगा

5. वहीँ एक अभिभावक के सवाल पूछे जाने पर अवतार सिंह ने ये भी बताया की अगर बच्चे मोबाइल फ़ोन के लिए जिद्द करते है तो एक टास्क कम्पलीट कर लेने के बाद ही बच्चों को 10 या 15 मिनट के लिए मोबाइल देना चाहिए!

आज के

वेबिनर का संचालन स्पेशल ओलंपिक्स बिहार के खेल निदेशक संदीप कुमार ने किया धन्यवाद ज्ञापन प्रोग्राम मेनेजर संतोष कुमार सिन्हा ने किया।

ऑनलाइन गायन प्रतियोगिता का आयोजन

दिव्यांग विशेष बच्चों ने ऑनलाइन अपनी आवाज का जादू बिखेरा

पटना 26 अप्रैल 2020 । चाईल्ड कन्सर्न, 'समर्पण' स्पेशल स्कूल एवं के संयुक्त 'पतंग' 26 धान में आज दिनांकतत्वा अप्रैल 2020 रवि)वार को (दोपहर 12:30 बजे से कोरोना वायरस)COVID-19से बचाव एवं रोकथाम के (उपाय थीम पर ऑनलाइनगायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आज के ऑनलाइन गायन प्रतियोगिता का संचालन संतोष कुमार सिन्हा (सी.ई.ओ. समर्पण) एवं संदीप कुमार (नेशनल ट्रेनर, दिव्यांगजन) के द्वारा किया गया। इस ऑनलाइन गायन प्रतियोगिता में पूरे भारत से 8 वर्ष से उपर के 215 दिव्यांग (ऑटिज्म, बौद्धिक दिव्यांग, सेरेब्रल पाल्सी, मुक-बधिर, दृष्टिबाधित, स्लो लर्नर एवं बहु दिव्यांग) एवं समान्य बच्चों ने अपने-अपने घरों से भाग लिया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए सभी ने अपनी-अपनी गायन के एक मिनट के अपनी आवाज का रिकॉर्डिंग भेजा था। यह ऑनलाइन गायन प्रतियोगिता विडियो कन्फ्रेंस के माध्यम से किया गया और सभी ने अपनी आवाज का जादू बिखेरा।

CHILD CONCERN PATNA

आज के ऑनलाइन गायन प्रतियोगिता का का रिजल्ट निम्न प्रकार है -

8-11 वर्ष वर्ग के : अम्बे शरण-प्रथम, स्नेहा स्मृति- द्वितीय, मानहील-तृतीय

12-15 वर्ष वर्ग के : जाफरा प्रवीण-प्रथम महिला वर्ग, अनुरूप-प्रथम, दिव्यांशु-द्वितीय, पार्थ भारद्वाज-तृतीय।

16-21 वर्ष वर्ग के : मानसी-प्रथम, रचनाकुमारी-द्वितीय तथा सुभागी सिन्हा-तृतीय ।

22-29 वर्ष वर्ग के : अदिती मजूमदार-प्रथम (महिला वर्ग) प्रथम सोनु मुखर्जी- प्रथम, अरीन्दम-द्वितीय, माधव कृष्णा-तृतीय।

30 वर्ष के उपर वर्ग के : राकेश कुमार-प्रथम, अनिरवन-द्वितीय एवं विश्वास राज-तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजेता एवं उपविजेता को ई-सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया जायेगा।

आज के ऑनलाइन गायन प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि डॉ० शिवाजी कुमार (राज्य आयुक्त नि:शक्तता, बिहार सरकार, पटना) एवं जूरी सदस्य के रूप में डॉ० उमाशंकर सिन्हा (सचिव, आस्था चैरिटेबल एण्ड वेल्फेयर सोसाइटी), प्रदीप कुमार मिश्रा (इवेंट मैनेजर), संदीप कुमार (नेशनल ट्रेनर, दिव्यांगजन) अपने-अपने घर से ऑनलाइन उपस्थित थे। साथ ही लक्ष्मीकान्त कुमार (प्राचार्य, समर्पण), सुनिता गुप्ता (विशेष शिक्षक, समर्पण), नवीन कुमार, संगीत विशेषज्ञ आदि ऑनलाइन अपने-अपने घर से उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य,शारीरिक विकास एवं वैश्विक महामारी-कोविड19 के प्रति बच्चों को जागरूक करना है।

हमारे मुख्य अतिथि एवं जूरी मेम्बर ने बताया कि आज के ऑनलाईन गायन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी आवाज से मंत्रमुग्ध किया साथ ही कोरोना से बचाव का संदेश दिया एवं अपनी गायन के जिजिवषा को उकेरा। ऐसा लग रहा था जैसे टिवी का कोई लाइव प्रोग्राम चल रहा हो। इनकी बच्चों की प्रतिभा एवं स्वर की मिठास को काफी सराहा। हमलोगों की कल्पना से भी उपर सोचकर बच्चों ने अपनी स्वर में गाना गाय। सभी प्रतिभागियों ने देशभक्ति, शास्त्रीय संगीत, राग, भैरव, क्लासिकल, अंग्रेजी गाना, क्षेत्रीय गाना एवं कोरोना से बचावपर अपने स्वर में गाकर सभी को स्वस्थ्य रहने का संदेश दिया।

आज के ऑनलाइन गायन प्रतियोगिता का संचालन संदीप कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन संतोष कुमार सिन्हा ने के द्वारा किया गया।

वैश्विक महामारी कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान विशेष बच्चों एवं उनके अभिभावकों का ऑनलाइन किया जा रहा है जागरूक

पटना 06 मई 2020 । 'समर्पण' स्पेशल स्कूल, 'चाईल्ड कन्सर्न, बिहार पैरा स्पोर्टस एसोसिएशन, 'पतंग'बिहार स्पेशल ओलम्पिक्स एवं बिहार विकलांग खेल अकादमी के संयुक्त तत्वाधान कोरोना वायरस)COVID-19 (लॉकडाउन

के दौरान दिव्यांग (ऑटिज्म, बौद्धिक दिव्यांग, सेरेब्रल पाल्सी, मुक-बधिर, दृष्टिबाधित, स्लो लर्नर एवं बहु दिव्यांग) बच्चों के देखभाल एवं उनकी दैनिक क्रियाकलापों/ समस्याओं के निदान के लिए उनके अभिभावक को ऑनलाइन विडियो कन्फ्रेंस के माध्यम से बताया जा रहा है। लॉकडाउन के दौरान ऐसे बच्चों को समझना बहुत जरूरी है। बच्चे ये नहीं समझ पा रहे हैं कि हमे घर में क्यों रहना पड़ रहा है। बहुत सारे ऐसे बच्चे हैं जिनको फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी, विहैवियर थेरेपी, ऑकुपेशनल थेरेपी की जरूरत होती है। लॉकडाउन के दौरान विशेषज्ञ उनके घर तक उपलब्ध नहीं हो पाते हैं ऐसी स्थिति में विडियो क्लिप्स, फोन एवं विडियोकन्फ्रेंस के माध्यम से अभिभावकों द्वारा समस्या का समाधान करने की कोशिश की जाती है। ऐसे बच्चों को सिमित संसाधनों में कैसे रोजमर्रा की जिन्दगी एवं उन्हें खेल'-कूद के बारे में भी बताया है जाता है। हमलोगों के द्वारा लॉकडाउन के दौरान अभिभावक, प्रोफेशनल, डी.पी.ओ., एनजीओ, फिजियोथेरेपी स्पीच थेरेपी, समाजसेवी की भूमिका पर भी जूम एप के माध्यम से कई ऑनलाइन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विशेष बच्चों में रचनात्मक क्रियाशिलता के लिए ऑनलाइन ड्राइंग पेंटिंग प्रतियोगिता, ऑनलाइन गायन प्रतियोगिता, ऑनलाइन नृत्य प्रतियोगिता, ऑनलाइन हस्तकला प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। इस आयोजन में पूरे भारत से विशेष बच्चों ने भाग लिया था। हमलोगों के द्वारा पूरे बिहार में पंचायत स्तर, प्रखण्ड स्तर एवं जिला स्तर डी.पी.ओ. एवं स्वयंसेवक कार्य करते हैं। लॉकडाउन के दौरान पूरे बिहार में 5500 से अधिक दिव्यांगजनों को जागरूक एवं लाभ पहुंचाया जा चुका है।

इस ऑनलाइन प्रोग्राम में संदीप कुमार (नेशनल ट्रेनर), संतोष कुमार सिन्हा (सी.ई.ओ.समर्पण), लक्ष्मीकान्त कुमार (विशेष शिक्षक), अरबिन्द किशोर (खेल प्रशिक्षक), डॉ० विवेक विक्रम (फिजियोथेरेपी) आदि की एवं विशेषज्ञ के रूप में डॉ० उमाशंकर सिन्हा (सचिव, इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथेरेपी) की महत्वपूर्ण भुमिका रहती है।

सभी ऑनलाईन कार्यक्रमों को राज्य आयुक्त नि:शक्तता (दिव्यांगजन),समाज कल्याण विभाग, बिहार सरकार डॉ० शिवाजी कुमार द्वारा काफी सरहा गया एवं उत्साहवर्धन किया जाता है। वे हमेशा दिव्यांगजनों के सहायता के तत्तपर रहते हैं एवं उनकी समस्यों का ऑनलाइन समाधान करने की कोशिश करते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष बच्चों द्वारा अपने-अपने घरों में पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

पटना 05 जून 2020। समर्पण एवं चाईल्ड कन्सर्न के संयुक्त तत्वाधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर आज दिनांक 5 जून 2020 (शुक्रवार) को सुवह 9:00 बजे से वर्चुअल वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को पूरे विश्व में पर्यावरण के सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए मनाया जाता है। इस ऑनलाइन वर्चुअल वृक्षारोपण कार्यक्रम में बिहार के सभी जिलों से 865 दिव्यांग एवं समान्य बच्चों ने अपने-अपने घरों/मूल स्थान से पेड़/वृक्ष लगाते

CHILD CONCERN Patna

हुए फोटो भेजा एवं पर्यावरण जागरूकता के लिए अपने आस-पास के लोगों को जागरूक किया। इस वर्चुअल वृक्षारोपण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को प्राकृतिक एवं पर्यावरण से होने वाले लाभ का बताना है साथ ही दूषित पर्यावरण से आम जीवन में होनेवाली नुकसान से अवगत कराना है। पर्यावरण की रक्षा एवं संरक्षण प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेवारी है इत्यादि बातों को इन विशेष बच्चों को मन: मस्तिस्क में उभारकर एक नए समाज का निर्माण कर प्रकृति की रक्षा करना है। पहले व्यक्ति 90 से 100 साल तक जिवित रहता था लेकिन अब प्रदूषण के कारण मनुष्य कई रोगों से ग्रसित हो जाता है और 60 से 70 साल तक ही जिवित रह पाता है। सभी बच्चों ने कई तरह के औषधिए, फलदार एवं फूलदार वृक्ष लगाए।

सभी बच्चों ने अपने-अपने नाम की वृक्ष लगाकर एक संकल्प लिया कि हम सभी लोग अपने जन्मदिन, वर्षगांठ एवं विशेष आयोजन पर कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाएंगे साथ ही अपने आस-पड़ोस, अपने सगे सम्बंधी एवं संगी साथियों को ऐसे शुभ अवसर पर एक वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित करें एवं पौधों की देख-भाल भी करेंगे। प्राकृतिक एवं वन्य प्राणी तथा अन्य जीव जन्तु को भी संरक्षण करेंगे क्योंकि ये भी हमारे पर्यावरण के अंग हैं। सभी बच्चों ने पर्यावरण की रक्षा पर ऑनलाइन स्लोगन, गीत, चौपाई, आदि व्हाटसअप एवं फेसबुक के माध्यम से लोगों को जागरूक किया।

आज वर्चुअल वृक्षारोपण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ० शिवाजी कुमार (राज्य आयुक्त नि:शक्तता, बिहार सरकार), पर्यावरणविद एवं समाजसेवी डॉ. अविनाश प्रसाद, डॉ. उमाशंकर सिन्हा, रोबिन राज, सुगनन्ध नारायण प्रसाद, संतोष कुमार सिन्हा, संदीप कुमार, आदि के साथ साथ अन्य पर्यावरणविद अपने-अपने घरों से ऑनलाइन बच्चों को पर्यावरण के संरक्षण के लिए जागरूक किया। सभी मुख्य अतिथि ने बच्चों को कास्मेटिक सामग्रियों से दूर रहने को कहा ये भी एक कारण है पर्यावरण के क्षय का कारण है। नागफनी के पौधों को लगाने से मरुस्थलीकरण को रोका जा सकता है, गंगा दियारा में भी वृक्ष रोपण कर उस क्षेत्र का उपयोग किया जा सकता है के बारे में बताया। जल जीवन हरियाली पर्यावरण का मूल मंत्र है।

विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर ऑनलाइन वर्चुअल वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

विशेष बच्चों ने पर्यावरण बचाने का दिये संदेश

चलिए मिलकर पर्यावरण को बचाते है, साथ में कुछ पेड़ लगाते हैं !

पटना 04 जून 2020। स्पेशल ओलंपिक्स बिहार, बिहार दिव्यांग खेल अकादमी, बिहार पैरा स्पोर्टस एसोसिएशन, समर्पण, चाईल्ड कन्सर्न एवं अकादमी ऑफ जिम्नास्टिक के संयुक्त तत्वाधान में विश्व पर्यावरण दिवस के पूर्व संध्या पर आज दिनांक 4 जून 2020 (गुरूवार) को पूर्वाहण् 11:30 बजे से जूम एप के माध्यम ऑनलाइन वर्चुअल एक पौधा (पेड़) लगाओ प्रतियोगिता

CHILD CONCERN Patna

वेबिनार का आयोजन से किया गया। इस ऑनलाइन वर्चुअल वृक्षारोपण प्रतियोगिता में पूरे भारत से 532 प्रतिभागियों ने पेड़ लगाते हुए विडियो, फोटो एवं पर्यावरण जागरूकता पर अपनी-अपनी विचार/स्लोगन भेजा था जिसमें 375 दिव्यांग (बौद्धिक दिव्यांग, ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, मूक-बधिर, दृष्टिबाधित, स्लो लर्नर एवं बहु दिव्यांग) एवं समान्य प्रतिभागीयों का चयन किया गया। सभी प्रतिभागी अपने-अपने घर में पौधा लगाये एवं ऑनलाइन उपस्थित होकर पर्यावरण के बचाव के लिए विचार रखे। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को पूरे विश्व में पर्यावरण के सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु मनाया जाता है। पर्यावरण दिवस मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1972 में किया गया था। 5 जून 1974 से लगातार हरेक वर्ष 5 जून का विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वर्चुअल वृक्षारोपण कार्यक्रम में राज्य आयुक्त नि:शक्तता डॉ. शिवाजी कुमार के साथ साथ पर्यावरणविद एवं समाजसेवी डॉ. अविनाश प्रसाद, डॉ. उमाशंकर सिन्हा, भूगोलविद रोबिन राज, सुगन्ध नारायण प्रसाद, संतोष कुमार सिन्हा, संदीप कुमार, हरिमोहन सिंह आदि के साथ साथ भारत के विभिन्न राज्यों से ल गभग 532

प्रतिभागियों ने वृक्ष लगा कर उसका विडियो बना कर स बमिट किया था, कार्यक्रम में सभी विशेषज्ञों ने पर्यावर ण को बचाने के लिए बच्चों को जागरूक होने को कहा, डॉ० शिवाजी कुमार ने बताया कि हरियाली हमारे शरीर को स्वसथ्य रखता है। पर्यावरण को बचाना हमारा कर्तव्य है।

डॉ. अविनाश प्रसाद ने बच्चों को कास्मेटिक सामग्रियों से दूर रहने को कहा ये भी एक कारण है पर्यावरण के क्ष य का, उन्होंने ये भी बताया की गिद्ध सियार जैसे पशुओं का बहोत ही योगदान है सामाज में जो की लुप्त होते जा रहे है, रोबिन राज ने बताया की नागफनी के पौधों को लगाने से मरुस्थलीकरण को रोका जा सकता है, डॉ. उमाशंकर ने कहा की गंगा दियारा में भी वृक्ष रोपण कर उस क्षेत्र का उपयोग किया जा सकता है के बारे में बताया।

दिव्यांग वर्ग में - बी. महालक्ष्मी, एस श्रावंती, निक्की, आफरीन सबा हक, आश्रय रेड्डी, मुकेश कुमार, मनीष कुमार, प्रांजल शर्मा, सागर भण्डारी, कनीष्क शर्मा, सोमाया, संजय कुमार सिंह, अखील राज आदि विजेता रहे।

समान्य वर्ग में- अनुपम रानी, आसिमा, आयुषी कुमारी, माही, शागुफ्ता फातमा, सिमरन, बब्ली कुमारी, आशुतोष, श्रेयस अरूण, मनु राज, मो० आरिफ आदि विजेता रहे।

सभी विजेता एवं उपविजेता प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट एवं स्पेशल ओलम्पिक्स यूनिफाईड बैच दिया जायेगा। सभी प्रतिभागियों औषधिए पौधा, फूल एवं फलदार पौधा लगया था एवं उनके गुणों के बारे में बताया था। सभी ने पर्यावरण बचाने के लिए एवं जागरूकता फैलाने के लिए अपने-अपने विचार दिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। सभी ने विशेष अवसर पर पौधा गीफ्ट आदान प्रदान करने की शपथ भी ली। जल, जीवन, हरियाली पर्यावरण बचाने का मूल मंत्र है एवं पर्यावरण सुरक्षित है तो हम सुरक्षित हैं। पर्यावरण के प्रति समाज को जागरूक करना हमारा कर्तव्य है। पर्यावरण से ही प्राकृतिक की सुन्दरता निर्भर करता है। आज प्रदुषन के कारण आज कई प्रजाती पृथ्वी से विलुप्त हो रहे हैं। वृक्ष लगाओ पर्यावरण बचाओ।

CHILD CONCERN
Patna

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य जागरूकता राष्ट्रीय वेबीनार एवं वर्चुअल योग प्रतियोगिता का आयोजन

पटना: दिनांक, 21 जून 2021। चाईल्ड कन्सर्न बिहार इंस्टिट्यूट ऑफ़ योग, स्प्रिचुअल हीलिंग नेचुरोपैथी एंड आयुर्वेद रिसर्च, पटना एवं समर्पण के तत्वाधान में आज दिनांक 21 जून 2021 को दोपहर 12 बजे से अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय वेबीनार एवं वर्चुअल योग प्रतियोगिता का आयोजन गुगलमीट प्लेटफॉर्म पर कोविड 19 के नियमों का पालन करते हुए किया गया। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा० शिवाजी कुमार (दिव्यांगजन विशेषज्ञ सह पूर्व राज्य आयुक्त नि०:शक्तता) ऑनलाइन उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि श्री अवधेश झा (योग विशेषज्ञ), श्रीमति सुलेखा कुमारी (योग विशेषज्ञ), साथ ही संदीप कुमार (नेशनल ट्रेनर), संतोष कुमार सिन्हा (प्रोग्राम मैनेजर), राहुल कुमार (कार्यक्रम समन्वयक), सुगन्ध नारायण प्रसाद (दिव्यांगजन विशेषज्ञ), अनुषा कुमारी, साथ ही पूरे भारत से सैंकड़ो दिव्यांगजन, योगाचार्य, समाजसेवी ऑनलाइन उपस्थित थे। आज के कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य योग के माध्यम से दैनिक जीवन में स्वस्थ्य रहने के बारे बताना एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को पहली बार मनाया गया। यह दिन लोगों के स्वास्थ्य पर योग के महत्व और प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाता है। योग शब्द संस्कृत से बना है जिसका अर्थ है जुड़ना या जुड़ना। योग एक प्राचीन शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास है जो लोगों को शांति, शांति, आत्मविश्वास और साहस देता है जिसके माध्यम से वे कई गतिविधियों को बेहतर तरीके से कर सकते हैं। अस्तित्व के हर स्तर पर, यह सामंजस्य की स्थिति है। दुनिया भर में विभिन्न रूपों में योग का अभ्यास किया जाता है।

आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ शिवाजी कुमार ने बताया कि 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस या विश्व योग दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी. इसके बाद साल 2015 से इस दिन को दुनियाभर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के तौर पर मनाया जाने लगा. देश और दुनिया में हर साल 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है. इस साल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वास्थ्य के लिए योग' (योग फ़ॉर वेलनेस) है। उन्होंने कौन सी बिमारी में कौन सा योग करना उपयोगी है उसके बारे में विस्तृत जानकारी दिये। योग ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा आज के दौर में स्वस्थय एवं इम्यूनिटी सिस्टम को बढ़ाये रख सकते हैं। दिव्यांगजनों के लिए योग महत्व के बारे में भी बताया।

अवधेश झा (योग विशेषज्ञ) ने दैनिक जीवन में योग के महत्व के बारे में भी बताया। उन्होंने बताया कि स्वस्थ्य रहना है तो योग को अपने जीवन जोड़ना बहुत ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जिस तरह का आप योग कर सकते हैं वही

CHILD CONCERN Patna

योग किजिए। उन्होंने सूर्य नमस्कार, अनुलोम-विलोम, कपाल भारी, पदमासन, आदि योग के बारे में विस्तृत रूप से बताया। उन्हौंने यह भी बताया कि कौन सा योग से कौन सा रोग़ में फायदा करेगा यह भी बताया।

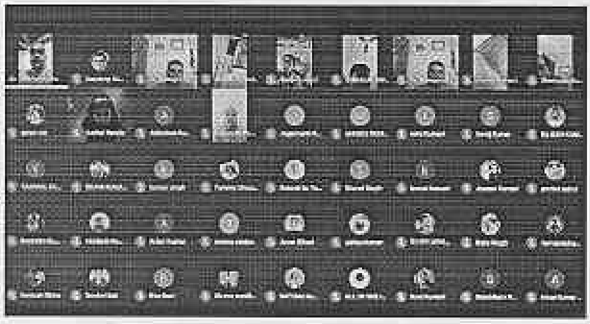

श्रीमति सुलेखा कुमारी ने बताया कि योग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक तथा इम्यूनिटी लेवल को मजबूत कर सकते हैं।

संदीप कुमार ने दिव्यांगजनों को एरोबिक एवं योग के महत्व के बारे में विस्तृत रूप से बताया।

सभी प्रतिभागियों ने अपने-अपने योग का फोटो एवं विडियो गूगलफॉर्म के माध्यम से भेजा था । सभी विजेता उपविजेता प्रतिभागियों को ई-प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया। सभी ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम से योग एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलती है। सभी ने एक ही संदेश दिया जीवन में रहना है स्वस्थ्य तो अपने जीवन में योग अपनाएं। करें योग रहे निरोग का भी संदेश दिया।

आज के कार्यक्रम में आश्वी नंदा, अवधेश झा, अभिषेक कुमार, आदित्या कुमार, अखिलेश कुमार, अमन केशरी, अमर बिहारी, अनुप कुमार पटेल, अनुषा कुमारी, अर्जुन कुमार, अर्मिला कुमार शाह, ब्रजेश कुमार, गोविन्द साह, गोविन्द साहनी, हिरदय यादव, इशा कुमारी, जगनाथ कुमार राय, जयन्ती कुमारी, कमल कुमार चौबे, कोमल कुमारी, कुमार सिंह, मनोज कुमार, मिथिलेष यादव, पम्मी चौधरी, राजेश कुमार, राजकुमार पंडीत, रंजीत कुमार, राकेश यादव, रामावती कुमारी, रंजु कुमारी, रिचा कुमारी, रीता रानी, रूबी सिंह, संतोष साजन, सरोज कुमार, सत्यम कुमार, सविन्द्र कुमार, सीमा रंज़न, शाहबाज अहमद, शरत सिंह, शशीकान्त कुमार, शेखर चौरसिया, श्रवण कुमार, सोनालाल कुमार, सोनी कुमारी, आनन्द, उतमा कुमारी, यशपाल कुमार, इम्त्याज आलम, रविरंजनशाह, सुधीर कुमार, सत्यम कुमार, रविकेश कुमार, राहित कुमार, विनय कुमार, रवि कुमार, अकांक्षा कुमारी, मीरा कुमारी, आनन्द, नाव्या, विशाल, लक्ष्मी मिस्त्री, इलिना बाथेरी, ब्रियान वास, सम्युल फर्णांडिस, दामोदर रेडी, रोशन अंसारी, विनायक पतगार, पुर्वा गौन्स, जयदीप मुनडाले, समीर बेग, वेद दोरी, सुरज सुर्वे, सुलेसिय डिकोस्टा, आतिफकिलेदार, अंकिता चौहान, सैदताकदम, पंतीक कोमबाथ, आदि के साथ पेर देश से सैंकड़ों की संख्या में दिव्यांगजन, योगाचार्य, योग विशेषज्ञ लोग उपस्थित थे एवं बेबीनार का लाभ उठाया।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर "मानसिक स्वास्थ्य से नि□पटने के लिए रणनि□तियों को सुदृढ़ बनाना" विषय पर राष्ट्रीय स्तर वेबिनार का आयोजन

पटना 10 अक्टूबर 2020 । ऐक्शन फॉर ऑल, समर्पण, चाईल्ड कन्सर्न, इण्डियण स्पोर्ट्स फेडेरेशन ऑफ सेरेब्रल पाल्सी, बिहार पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन, बिहार स्पेशल ओलम्पिक्स, इण्डियण स्पोर्ट्स

CHILD CONCERN
Patna

फेडेरेशन ऑफ ऑटिज्म, बिहार सिविल सोसाईटी फोरम, बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन विथ डिसएबिलिटिज, पाटलीपुत्रा पैरेन्टस एसोसिएशन एवं बिहार दिव्यांग खेल अकादमी के संयुक्त तत्वाधान में आज 10 अक्टूबर 2020 (शनिवार) को पुर्वाहण 11:30 बजे से विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर "मानसिक स्वास्थ्य से नि□पटने के लिए रणनि□तियों को सुदृढ़ बनाना" विषय पर विडियों कन्प्रेंस के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर के ऑनलाइन जन-जागरूकता वेबिनार का आयोजन किया किया गया। आज ऑनलाइन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पूरे विश्व में मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और मानसिक स्वास्थ्य के समर्थन में प्रयास करना है। यह दिवस मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर काम करने वाले सभी मनो विषेशज्ञों को उनके काम के बारे में बात करने का अवसर प्रदान करता है, और दुनिया भर के लोगों के लिए मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को वास्तविकता बनाने के लिए और क्या करने की आवश्यकता है उस पर अमल करना है। मानसिक विकार से बचने के लिए सकारात्मक सोच का होना बहुत आवश्यक है।

आज के ऑनलाइन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ० शिवाजी कुमार (राज्य आयुक्त दिव्यांगजन, बिहार सरकार) एवं विशिष्ट अतिथि वक्ता डॉ० विनोद भांति (दिव्यांगजन विशेषज्ञ) ऑनलाइन उपस्थित थे। मनोविशेषज्ञ वक्ता के रूप में डॉ० कृति (प्रो० मनोविशेषज्ञ, कॉलेज ऑफ कॉमर्स, पटना), डॉ० स्मीता तिवारी (मनोविशेषज्ञ), सुश्री स्वेता कुमारी (नैदानि□क मनोचिकित्सक, गया), डॉ० मनोज कुमार (नैदानि□क मनोचिकित्सक, चाईल्ड होम,पटना), डॉ० नि□रज मिश्रा (लेक्चरर, ऑक्यूपेशनल थैरेपी, सी.आर.सी. देवनगर, कर्नाटक) साथ ही डॉ० राजीव गंगौल (अध्यक्ष,पाटलीपुत्रापैरेंटस एसोसिएशन), संदीप कुमार (खेल निदेशक, बिहार पैरा स्पोर्टस एसोसिएशन), संतोष कुमार सिन्हा (सी.ई.ओ., समर्पण), सुगन्ध नारायण प्रसाद (सचिव, बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन विथ डिस्एबिलिटिज), साबरा तरन्नुम (फिजियोथैरैपीस्ट, अररिया), अंजनी कुमारी शर्मा (कटिहार), कुमार भारत भुषण (स्पर्श देवघर), नि□रंजन कुमार मंडल (स्पर्श, देवघर), एवं सैंकड़ो दिव्यागजन, अभिभावकगण, समाजसेवी, मनोविशेषज्ञ, प्रोफेशनल, खिलाड़ी आदि ऑनलाइन उपस्थित थे।

आज के इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्य आयुक्त निशक्ततता (दिव्यांगजन), बिहार सरकार पटना ,बिहार डॉ॰ शिवाजी कुमार उपस्थित थे। इस अवसर पर उन्होंने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के बारे में बताया।उन्होंनें लोगों को मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूक होने व इस विषय पर शोध को बढावा देने की जरूरत पर बल दिया। विभिन्न प्रकार

CHILD CONCERN Patna

के मानसिक समस्या से पीड़ित और उनके परिजनों के हालात पर चिंतन जाहिर करते हुए कहा की समाज को इस दिशा में जागरूक होकर बचपन से ही बच्चों के भीतर उपयुक्त महौल देने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि मानसिक मनासिक मजबुति के लिए सकारात्मक सोच बहुत जरूरी है। इसके लिए मेडिटेशन, योग, व्यायाम से भी रोका जा सकता है।

बेबिनार को संबोधित करते हुए डॉ॰ विनोद भांति ने बताया की पुलिस थाने में भी काउंसलर्स की बहाली होनी चाहिए ताकि आधिकतर मसले कोर्ट- कचहरी का भार कम हो। लोगों को ज्यादा से ज्यादा इस विषय पर चर्चा करना चाहिए। बताया कि जिस तेजी के साथ लोग उग्र हो रहे एक दिन ऐसा आयेगा कि पूरे भारत वर्ष में मानसिक अवसाद से लोग ग्रसित हो जायेगें। इसके लिए जन-जागरूकता बहुत जरूरी है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ॰ कीर्ति ,एसो.प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग,कॉलेज ऑफ़ कामर्स, आर्ट्स एंड साइंस ,पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना ने बताया की मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी सभ्य समाज के निर्माण में घातक सिद्ध हो सकता है। इस अवसर पर डॉ॰ मनोज कुमार, मनोवैज्ञानिक चिकित्सक द्वारा कोरोना काल में बढते मानसिक स्वास्थ्य पर लोगों को जागरूक करते हुए बताया की इस वैश्विक महामारी से बहुत सारे मानसिक समस्या लोगों में देखी जा रही। बच्चे से लेकर बुजुर्गों के मानसिक स्वास्थ्य पर उन्होंने बेबाक अपनी राय रखी।उनका कहना था की अभी भी 75% निम्न व मध्यम आर्थिक स्थिति वाले लोगों को उत्तम मानसिक स्वास्थ्य के बारे में पता नही है यदि इनको इस तरह की कोई समस्याएं धङ करती हैं तो उनका ईलाज वह नही करा पाते।विश्व स्वास्थ्य संगठ्न की एक रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने बताया की पुरे विश्व में आज एक अरब लोग किसी न किसी मानसिक समस्या से पीड़ित है। विश्व में हर 40 सेंकड में एक व्यक्ति सुसाइड कर रहा।

इस अवसर पर डॉ॰ स्मिता तिवारी ,पुनर्वास विशेषज्ञ एवं मनोवैज्ञानिक द्वारा भी सरल व सहज प्रजेंटेशन देकर लोगों को जागरूक किया।इस कार्यक्रम में पाटलिपुत्र स्पेशल चाइल्ड पैरेटस एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ॰ राजीव गंगौल द्वारा काफी प्रेरक जागरूक व्याख्यान दिये गये।गया में कार्यरत मनोवैज्ञानिक श्वेता कुमारी द्वारा भी मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी गयी।इस अवसर पर 150 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूक करने की मुहिम से जुङ सके।

मनोविशेषज्ञ सुश्री श्वेता कुमारी ने मानसिक स्वास्थ्य विकार से बचने एवं इससे बचने के तरीकों को और सुदृढ़ करने पर विस्तृत जानकारी दिये। इन्होंने बताया कि मनुष्य को सकारात्मक विचार ही मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाता है। कोविड 19 में बहुत सारे लोग मानसिक अवसाद से घिरे हुए हैं उन्हे जागरूक करना एवं उनमें सकारात्मक सोच प्रदान करना बहुत जरूरी

CHILD CONCERN Patna

है। सभी ने मानसकि स्वास्थ पर पुछे गयें सावालों का भी जवाब दिया।

आज के ऑनलाइन कार्यक्रम में लगभग 200 मनोविशेषज्ञ, प्रोफेशनल, खिलाड़ी, दिव्यागजन, अभिभावकगण, समाजसेवी, लोग ऑनलाईन जुडे हुए थे सभी ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति दिये गये जानकारी को काफी सराहना की एवं बताया इस तरह का जागरूकता कार्यक्रम समय-समय पर होते रहना चाहिए।

कम्यूनिटी बेस्ड रिहैबिलिटेशन (समुदाय आधारित पुनर्वास)

विषय पर निपमेड, चेन्नइ एवं भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त तीन दिवसीय सी.आर.ई (सतत पुनर्वास शिक्षा) वेबीनार का समापन विशेषज्ञों द्वारा दिव्यांगजनों के विकास एवं पुनर्वास पर दी गई जानकारियां

पटना 27 फरवरी 2021 । चाईल्ड कन्सर्न, समर्पण बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल मेडिसिन, चिकित्सीय प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य, विशेष शिक्षा, अनुसंधान एवं पुनर्वास संस्थान पटना के तत्वाधान में निपमेड, चेन्नई एवं भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त "कम्यूनिटी बेस्ड रिहैबिलिटेशन (समुदाय आधारित पुनर्वास)" विषय पर आज दिनांक 27 फरवरी 2021 को सुवह 11 बजे से ऑनलाइन सी.आर.ई. (सतत पुनर्वास शिक्षा) वेबीनार का आयोजन किया गया तथा अपराहण 4 बजे से तीन दिवसीय वेबीनार का समापन किया गया। आज के वेबीनार के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ० शिवाजी कुमार (राज्य आयुक्त नि:शक्तता, बिहार सरकार) ऑनलाइन मौजुद थे। विशिष्ट अतिथि डॉ० बिनोद भांती (दिव्यांगजन विशेषज्ञ), डॉ० ऋतु रंजन (समाज सेवी एवं मानवाधिकार के लिए कार्यरत), श्रीमति उषा मनाकी (प्रोफेशनल), संतोष कुमार सिन्हा (को-ऑर्डिनेटर), श्री सुगन्ध नारायण प्रसाद (विशेष शिक्षक), संदीप कुमार (दिव्यांगजन विशेषज्ञ) साथ ही शिव कुमार बैठा (प्रोफेशनल), कुमार भारत भुषण (प्रोफेशनल), निरंजन कुमार (प्रोफेशनल), सुलेखा कुमारी (प्रोफेशनल), राजेश कुमार एवं 50 से अधिक प्रोफेशनल, विशेष शिक्षक, रिसोर्स पर्सन, डॉक्टर, दिव्यांगजन विशेषज्ञ ऑनलाइन उपस्थित थे। इस तीन दिवसीय वेबीनार में दिव्यांगजनों का समुदाय आधारित पुनर्वास एवं दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। सी.आर.ई. कार्यक्रम का आयोजन कराने का मुख्य उद्देश्य आर.सी.आई. से रजि० प्रोफेशनल, विशेष शिक्षक, दिव्यांगजन विशेषज्ञ को समय समय पर उनके ज्ञान का संवर्द्धन करना है। यह तीन दिवसीय वेबीनार 25 फरवरी 2021 से चल रही थी।

आज के वेबीनार के मुख्य अतिथि एवं वक्ता डॉ० शिवाजी कुमार (राज्य आयुक्त नि:शक्तता, बिहार सरकार) ने समुदाय आधारित पुनर्वास के बारे में विस्तृत जानकारी दिये। अन्होंने यह भी बताये कि दिव्यांगजनों को समाज के मुख्यधारा से कैसे जोड़ेंगे । दिव्यांगजनों को कौशल विकास, विशेष शिक्षा, चिकित्सीय प्रबंधन, खेल-कूद आदि के माध्यम से पुनर्वास कर सकते हैं। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 में वर्णित 21 प्रकार के दिव्यांगता एवं उनके लिए प्रदत अधिकार अधिनिमों के बारे में विस्तृत

CHILD CONCERN Patna

जानकारी दिए और उन्होंने यह भी बताये कि सरकार द्वारा बिहार में गांव, पंचायत, प्रखण्ड, अनुमण्डल एवं जिला स्तर पर दिव्यांगजनों के विकास एवं पुनर्वास के लिए कार्य किया जा रहा है।

डॉ० ऋतु रंजन ने दिव्यांगजनों के लिए मानवाधिकार के बारे में जानकारी दिये तथा समुदाय अधारित पुनर्वास पर जानकारियां दिये। साथ ही साथ यह भी बताया कि दिव्यांगजनों को पुनर्वास के लिए उनके कौशल का विकास करना बहुत ही आवश्यक है। हम सभी समाज समुदाय से जुड़े लोगों का कर्तव्य है कि दिव्यांगजनों के पुनर्वास में मदद करें।

डॉ० बिनोद भांती ने बताया कि दिव्यांगजनों समुदाय आधारित पुनर्वास की अत्यंत आवश्यकता है। इन बच्चों को यथाशिघ्र पहचान कर काउन्सलिंग उपरांत थेरेपी के माध्यम से ठीक किया जा सकता है। और उन्होंने दिव्यांगजनों के पुनर्वास के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताया।

सभी रिसार्स पर्शन शिव कुमार बैठा, उषा मनाकी, कुमार भारत भुषण, सुलेखा कुमारी, नि रंजन कुमार, राजेश कुमार, सुगन्ध नारायण प्रसाद, लक्ष्मीकान्त, निरंजन कुमार आदि ने दिव्यांगजनों के लिए समुदाय आधारित पुनर्वास पर विरस्तृत जानकारी दिए।

आज के वेबीनारमें विश्वकर्मा शर्मा, आशा कुमार, भीष्मानन्द, इमाम हुसैन, सुनिता गुप्ता, रोसा सोरेन, शशि कुमार, सिंह कुमारी पिंकी रानी, रंन्जु कुमारी, कवी कुमार, केशवकुमार, शिवपुजन कुमार, नारदमुनि विद्यार्थी, सुरेश राम, बैजनाथ कुमार, ममता कुमार, चन्द्र प्रकाश उपाध्याय, लक्ष्मी भारद्वाज, रविन्द्र कुमार, इतीश्री साहु, रजनी, डॉ० सुधाकान्त पाण्डेय, प्रमोद कुमार सिंह, निरजेश कुमार, सुभासिनी देवी, नरेन्द्र कुमार, सुबोधकान्त, शशि शेखर, बाल्मिकि कुमार, शिवानी कुमारी आदि ऑनलाइन उपस्थित थे।

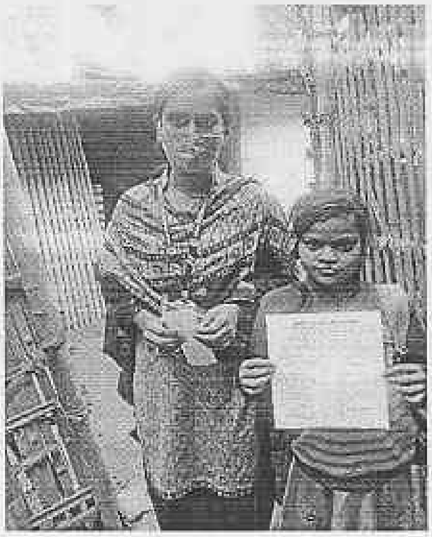

CHILD CONCERN

103, Sheela Complex, New Bahadurpur,

Rajendra Nagar, Patna-800016